# जापान के प्रधानमंत्री के साथ आयोजित संयुक्त प्रेस सम्मेलन में प्रधानमंत्री का उद्घाटन संबोधन

## 22 अक्तूबर, 2008

अभी-अभी प्रधानमंत्री असो के साथ मेरी अत्यंत उपयोगी और लाभप्रद वार्ता हुई। वे भारत के पुराने और अत्यंत सम्मानित मित्र हैं । मुझे और मेरे प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों का हार्दिक स्वागत करने के लिए में प्रधानमंत्री तथा जापान की सरकार और जनता को धन्यवाद देता हूँ ।

दो वर्ष से कम अंतराल में प्रधानमंत्री के रूप में यह जापान की मेरी दूसरी द्विपक्षीय यात्रा है । यह इस बात को परिलक्षित करता है कि हम जापान के साथ अपने संबंधों को कितना महत्वपूर्ण मानते हैं । बार-बार होने वाली उच्चस्तरीय यात्राएं जापान के साथ हमारे संबंधों के महत्व को उजागर करती हैं।

पिछले चार वर्षों के दौरान हमारे द्विपक्षीय संबंधों में गुणात्मक वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री असो और मैंने जिस संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर किए है, वह दिसंबर 2006 में स्थापित सामरिक और वैश्विक भागीदारी के उपरांत हुई महत्वपूर्ण प्रगति को परिलक्षित करता है ।

जापान-भारत का एक महत्वपूर्ण आर्थिक भागीदार है । जापान से हमें जो आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है, उसके लिए हम जापान के आभारी हैं । आज भारत जापान की अधिकारिक विकास सहायता का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता राष्ट्र है। प्रधानमंत्री असो और मैंने इस बात पर सहमति व्यक्त की है कि हमारे आर्थिक क्रियाकलापों को व्यापक और गहन बनाया जाना चाहिए ।

मैंने प्रधानमंत्री असो को बताया कि भारत में जापानी निवेश की कोई सीमा नहीं है और उनसे यह भी अनुरोध किया कि वे जापान के उद्योगों को भारत में आने के लिए प्रोत्साहित करें । अपनी ओर से हम भारत में उपयुक्त निवेश वातावरण बनाने के लिए सभी आवश्यक उपाय करेंगे ।

मैं आशा करता हूँ कि उच्च गुणवत्ता और आपसी हितकारी आर्थिक साझे क्रियाकलापों के शीघ्र निष्कर्ष निकलेंगे । डेडिकेटिड फ्रेट कॉरीडॉर प्रोजेक्ट पर हमारा संयुक्त सहयोग शीघ्र ही आरंभ होगा । इससे हमारी आर्थिक भागीदारी का स्तर और मात्रा में परिवर्तन होगा ।

हमने सुरक्षा सहयोग के संबंध में एक संयुक्त घोषणा-पत्र पर भी हस्ताक्षर किए हैं । यह एशिया और विश्व में शांति, समृद्धि और स्थिरता में योगदान देने की हमारी इच्छा को परिलक्षित करता है । हम इस बात पर भी सहमत हुए हैं कि दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरीडोर को चालू करने में दोनों देशों के बीच सहयोग किया जाना चाहिए । इस संबंध में इस अत्यंत महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए परियोजाना विकास सुविधा हेतु एक समझौता ज्ञापन संपन्न किया गया।

हमारी चर्चा में विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संकट सहित अन्य क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों को भी शामिल किया गया । हम इस बात पर सहमत हुए हैं कि हम आज के इस महत्वपूर्ण विषय पर अपने दृष्टिकोण को समन्वित करने के लिए मिल कर कार्य करेंगे । मेरा मानना है कि भारत और जापान वैश्विक आर्थिक मंदी का मुकाबला करने के लिए विकास के नए केंद्र के रूप में कार्य कर सकते हैं ।

हमने ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, संयुक्त राष्ट्र सुधार तथा विश्व व्यापार संगठन जैसे अन्य बहुपक्षीय मुद्दों जैसे साझे हित के महत्वपूर्ण विषयों पर मिल कर कार्य करने पर सहमति जताई है। हमने लोगों के बीच परस्पर संपर्क को बढ़ावा देने के लिए विचारों का उपयोग आदान-प्रदान किया है । मैं प्रधानमंत्री असो के युवा सहयोग कार्यक्रम का हार्दिक स्वागत करता हूँ और मैं उनसे वादा करता हूँ कि लोगों के बीच परस्पर संपर्क को बढ़ावा देने के लिए हम प्रधानमंत्री जी द्वारा निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्राप्त करने में उन्हें सभी प्रकार की सहायता प्रदान करेंगे । आई आई टी हैदराबाद और जबलपुर में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान का विकास करने के संबंध में जापान ने जो रूचि दिखाई है, मैं उसकी तहेदिल से सराहना करता हूँ ।

मैंने इस वार्ता प्रक्रिया को जारी रखने के लिए प्रधानमंत्री असो को अगले वर्ष दोनों के सुविधाजनक समय पर भारत आने का न्योता दिया है ।

कुल मिलाकर मेरे लिए यह अत्यंत संतोषजनक यात्रा रही है और मैं इस महत्वपूर्ण बैठक के सफल परिणामों के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए महामहिम प्रधानमंत्री को धन्यवाद देता हूँ ।

******